सांदीपनि शा.उ.मा.वि.
बरखेड़ी भोपाल (म.प्र.)

सफलता की कहानी

आवेदक

डॉ. के.डी. श्रीवास्तव

° आवेदक का विवरण °

1. अधिकारी का नाम : डॉ. के.डी. श्रीवास्तव
2. वर्तमान पदनाम : प्राचार्य (उ.मा.वि.)
3. वर्तमान पद पर सेवा के कुल वर्ष : 10 (दस)
4. मोबाइल नं. : 9300614084
5. ईमेल : cmrsbbmp@gmail.com
6. सेवा का स्थान/क्षेत्र : सांदीपनि शा.उ.मा.वि. बरखेड़ी भोपाल (म.प्र.)
7. संपर्क/डाक पता : सांदीपनि शा.उ.मा.वि. बरखेड़ी, रशीदिया क्षेत्र, वार्ड क्र. 33, भोपाल-462008
8. नवाचार के समय पदनाम : प्राचार्य (उ.मा.वि.)
9. उक्त पद पर सेवा के वर्षों की संख्या : 10 (दस)

- क्या सेवा में किसी भी समय अधिकारी के विरुद्ध कोई अनुशासनात्मक कार्यवाही की गई है? (हाँ/नहीं) : नहीं
- क्या अधिकारी के विरुद्ध कोई सतर्कता और अनुशासनात्मक कार्यवाही चल रही है या लंबित है? (हाँ/नहीं) : नहीं

° आवेदक द्वारा घोषणा °

मैं **डॉ. के.डी. श्रीवास्तव** घोषणा करता हूँ कि सूचना प्रारूप में दी गई जानकारी सही है। किया गया नवाचार मेरा स्वयं / हमारी टीम का कार्य है।

दिनांक : 25-08-2025
स्थान : भोपाल

Principal
Sandipani GHSS Barkhedi
Bhopal MP

रचनाकार/लेखक
मो. आमीन शेख़

° रचनाकार/लेखक का विवरण °

1. रचनाकार/लेखक का नाम : मोहम्मद आमीन शेख़
2. पदनाम : माध्यमिक शिक्षक (गणित)
3. मोबाइल नं. : 7694099786
4. ईमेल : shameer.sheikh.786@gmail.com
5. विद्यालय का नाम : सांदीपनि शा.उ.मा.वि. बरखेड़ी भोपाल (म.प्र.)
6. विद्यालय पत्राचार का पता : सांदीपनि शा.उ.मा.वि. बरखेड़ी, रशीदिया क्षेत्र, वार्ड क्र. 33, भोपाल-462008
7. प्रखंड का नाम : फंदा अरबन ओल्ड
8. जिला का नाम : भोपाल
9. संभाग का नाम : भोपाल
10. राज्य का नाम : मध्यप्रदेश

11. केस स्टडी का विषय / नवाचार : "जिला भोपाल शहरी क्षेत्र के एम.पी. बोर्ड कक्षाओं में अध्ययनरत शासकीय हाई हायर सेकेंडरी विद्यालयों की मासिक उपस्थिति, विद्यार्थियों के उपस्थिति प्रतिशत और परीक्षा परिणाम प्रतिशत के सह संबंध और 75% से कम उपस्थिति वाले विद्यार्थियों की कम उपस्थिति के कारणों का वरीयता क्रमानुसार विश्लेषण।", एवं "जिला भोपाल के विकासखंड फंदा पुराना शहर में निवासरत परिवारों में आयुवर्ग 6-18 वर्ष के शाला त्यागी बच्चों के शाला त्यागने के कारणों एवं शाला त्यागी बच्चों वाले परिवारों के प्रतिशत का विवेचनात्मक अध्ययन", इन शोध अध्ययन को कर, "संस्था के सांदीपनि (सी.एम. राइज़) विद्यालय के रूप में स्थापित होने के पश्चात 2022 से 2025 की अवधि में विविध नवाचारों एवं सतत प्रयासों के माध्यम से विद्यार्थियों के नामांकन, उपस्थिति तथा शैक्षणिक उपलब्धि में उल्लेखनीय सुधार लाकर संस्था को उत्कृष्टता की अग्रिम पंक्ति में स्थापित करना।"

° नवाचार का संक्षिप्त विवरण °

1. नवाचार का सारांश (इच्छित उद्देश्य के साथ : संस्था के सांदीपनि (सी.एम. राइज़) विद्यालय के रूप में स्थापित होने के पश्चात 2022 से 2025 की अवधि में विविध नवाचारों एवं सतत प्रयासों के माध्यम से विद्यार्थियों के नामांकन, उपस्थिति तथा शैक्षणिक उपलब्धि में उल्लेखनीय सुधार लाकर संस्था को उत्कृष्टता की अग्रिम पंक्ति में स्थापित करना।
2. कार्यान्वयन/भागीदारी एजेंसियों के नाम : सांदीपनि शा.उ.मा.वि. बरखेड़ी भोपाल (म.प्र.)
3. क्रियान्वयन की अवधि : 2022 से 2025 निरंतर
4. स्थान/प्रचालन का क्षेत्र : सांदीपनि शा.उ.मा.वि. बरखेड़ी भोपाल (म.प्र.)
5. विधि : शैक्षणिक, सह-शैक्षणिक, पाठ्येतर
6. लाभार्थी / लक्ष्य समूह : विद्यार्थी एवं समाज
7. नवाचार के कार्यान्वयन से पहले की स्थिति : नामांकन में कमी, ड्रॉपआउट में वृद्धि, कम उपस्थिति, न्यून शैक्षणिक उपलब्धि
8. नवाचार के कार्यान्वयन से बाद की स्थिति : नामांकन में वृद्धि, ड्रॉपआउट में कमी, अच्छी उपस्थिति, उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि
9. कठिनाइयाँ/चुनौतियाँ और सीखे गए सबक : विभिन्न विपरीत परिस्थितयों के बीच भी आमूलचूल सकारात्मक परिवर्तन लाए जा सकते हैं।
10. नवाचारों को लागू करने हेतु किन संसाधनों की आवश्यकता थी?
    - (क) भौतिक अवसंरचना : सांदीपनि (सी.एम. राइज़) योजनांतर्गत।
    - (ख) मानव संसाधन : संस्थार्गत टीम वर्क एवं कम्युनिटी इंगेजमेंट।
    - (ग) प्रोद्योगिकी/आई.टी. : सांदीपनि (सी.एम. राइज़) योजनांतर्गत।
    - (घ) वित्तीय संसाधन : सांदीपनि (सी.एम. राइज़) योजनांतर्गत।
11. संसाधन जुटाने का विवरण (यदि कोई हो) : लागू नहीं।
12. सामुदायिक संगठन का विवरण (यदि कोई हो) : लागू नही।

लीडर्स

श्री पवन द्विवेदी
उप-प्राचार्य

श्रीमती संगीता भटनागर
प्रधानाध्यापक (मा.प्र.)

श्री आरिफ अंजुम सिद्दीक़ी
प्रधानाध्यापक (प्रा.प्र.)

° संस्था परिचय °

यह विद्यालय शिक्षा के उज्ज्वल इतिहास और निरंतर प्रगति का साक्षी है।

सन् 1972 में हायर सेकेंडरी कक्षाओं के संचालन की मान्यता प्राप्त करने के बाद यह विद्यालय प्रारंभ में साहू समाज के राधाकृष्णन मंदिर में संचालित होता रहा। तत्पश्चात लोक निर्माण विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा निर्मित भवन में सन् 1994 में कक्षा 9वीं से 12वीं तक की कक्षाएँ स्थानांतरित की गईं। यह भवन शासकीय माध्यमिक शाला रशीदिया, एक्सटॉल कॉलेज के पीछे, बरखेड़ी, भोपाल में स्थित है।

इस स्थान का महत्व और भी बढ़ जाता है क्योंकि यहीं पूर्व मुख्यमंत्री माननीय श्री बाबूलाल गौर जी ने अध्ययन किया था। उनके विशेष प्रयासों से वर्ष 2019 में यहाँ नए भवन का निर्माण हुआ, जिसमें A-ब्लॉक में शा.क.उ.मा.वि. बरखेड़ी और B-ब्लॉक में शा.मा.शा. रशीदिया संचालित होने लगी।

गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सन् 2022 में मध्यप्रदेश शासन की महत्त्वाकांक्षी सी.एम. राइज़ योजना के अंतर्गत इस विद्यालय का चयन किया गया। “एक परिसर एक शाला” की परिकल्पना के अंतर्गत दोनों विद्यालयों का प्रबंधन एवं नियंत्रण शा.क.उ.मा.वि. बरखेड़ी के प्राचार्य को सौंपा गया। इस रूपांतरण के साथ विद्यालय में न केवल संरचनात्मक विकास हुआ, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की प्रभावी व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई।

माननीय मुख्यमंत्री की घोषणा एवं 29 अप्रैल 2025 को स्कूल शिक्षा विभाग के आदेशानुसार, सभी सी.एम. राइज़ विद्यालयों का नाम बदलकर “सांदीपनि विद्यालय” कर दिया गया। वर्तमान में यह संस्थान सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बरखेड़ी, भोपाल (म.प्र.) के नाम से संचालित हो रहा है और शिक्षा की नई ऊँचाइयाँ छू रहा है।

उद्देश्य
प्राप्ति
हेतु
लक्ष्य
निर्धारण
OM
APPRECIATION CERTIFICATE

उद्देश्य प्राप्ति हेतु लक्ष्य निर्धारण करने के लिए अप्रेल'2023 में किए गए शोध अध्ययन का सार 👇

मार्गदर्शक : डॉ. के.डी. श्रीवास्तव (प्राचार्य)

शोधकर्ता : मो. आमीन शेख़ (मा.शि. गणित / पी-एच.डी. शोधार्थी)

शीर्षक : जिला भोपाल शहरी क्षेत्र के एम.पी. बोर्ड कक्षाओं में अध्ययनरत शासकीय हाई/हायर सेकेंडरी विद्यालयों की मासिक उपस्थिति, विद्यार्थियों के उपस्थिति प्रतिशत और परीक्षा परिणाम प्रतिशत के सह संबंध और 75% से कम उपस्थिति वाले विद्यार्थियों की कम उपस्थिति के कारणों का वरीयता क्रमानुसार विश्लेषण।

भूमिका : विद्यालय में विद्यार्थी की उपस्थिति अतिमहत्वपूर्ण है। यह निश्चित ही विद्यालय की सफलता के सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक है। यदि विद्यार्थी विद्यालय नियमित रूप से नहीं जाएगा तो उसकी सीखने की क्षमता पर प्रभाव पड़ता है। जो विद्यार्थी नियमित रूप से विद्यालय जाते हैं वे अकादमिक रूप से सफल होने की संभावना में सुधार करते हैं। इस सिद्धांत के दोनों पक्षों के लिए स्पष्ट अपवाद हैं, जिनका अध्ययन करना भी आवश्यक है। अकादमिक रूप से सफल समझे जाने वाले कुछ विद्यार्थी ऐसे भी होते हैं जिनकी उपस्थिति नियमित नहीं होती और कुछ विद्यार्थी ऐसे हैं जो अकादमिक रूप से संघर्ष करते हैं, और उनकी उपस्थिति नियमित होती है। हालांकि, ज्यादातर मामलों में, मजबूत उपस्थिति शैक्षणिक सफलता के साथ संबंधित है, और खराब उपस्थिति शैक्षणिक संघर्षों के साथ संबंधित है।

आवश्यकता एवं महत्व : मध्यप्रदेश में सी.एम. राइज़ विद्यालय सत्र 2022-23 से आरंभ किए गए हैं, जिनका मूल उद्देश्य हर तबके के विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय शिक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराना है। आरंभिक सत्र में इन विद्यालयों में योजनांतर्गत अधिकतर सुविधाएं उपलब्ध करा दी गई हैं, शेष सुविधाओं को आगामी सत्र में लागू करने का रोडमैप तैयार हो चुका है, एवं योजनाओं का कार्यान्वयन निरंतर जारी है। इन योजनाओं का लाभ उठाने के लिए विद्यार्थी का विद्यालय में नियमित रूप से उपस्थित होना अत्यावश्यक है, किंतु कुछ विद्यार्थियों की उपस्थिति नियमित नहीं रही है। अत: विद्यार्थियों की अनियमित उपस्थिति के कारणों की जाँच करना एवं उनके निराकरण के प्रयास सी.एम. राइज़ एवं अन्य शासकीय विद्यालयों हेतु अत्यावश्यक हैं।

शोधकर्त्ता जो कि स्वयं सी.एम. राइज़ विद्यालय में शिक्षक के तौर पर कार्यरत हैं, ने संस्था प्राचार्य के मार्गदर्शन एवं संबंधित कक्षा शिक्षकों के सहयोग से प्रस्तुत शोध को शा.उ.मा.वि. सी.एम. राइज़ बरखेड़ी, भोपाल (म.प्र.) में संचालित किया। जिसका लाभ न केवल सी.एम. राइज़ विद्यालयों हेतु बल्कि अन्य शासकीय विद्यालयों हेतु भी महत्वपूर्ण होगा।

उद्देश्य

1. विद्यालय का मासिक उपस्थिति प्रतिशत ज्ञात करना।

2. बालक विद्यार्थियों के उपस्थिति प्रतिशत और परीक्षा परिणाम प्रतिशत का सह संबंध ज्ञात करना।

3. बालिका विद्यार्थियों के उपस्थिति प्रतिशत और परीक्षा परिणाम प्रतिशत का सह संबंध ज्ञात करना।

4. विद्यार्थियों के उपस्थिति प्रतिशत और परीक्षा परिणाम प्रतिशत का सह संबंध ज्ञात करना।

5. 75% से कम उपस्थिति वाले बालक विद्यार्थियों की कम उपस्थिति के कारणों का वरीयता क्रम ज्ञात करना।

6. 75% से कम उपस्थिति वाली बालिका विद्यार्थियों की कम उपस्थिति के कारणों का वरीयता क्रम ज्ञात करना।

7. 75% से कम उपस्थिति वाले विद्यार्थियों की कम उपस्थिति के कारणों का वरीयता क्रम ज्ञात करना।

न्यादर्श : जिला भोपाल विकासखंड फंदा अरबन ओल्ड में स्थित शा.उ.मा.वि. सी.एम. राइज़ बरखेड़ी की 10वी बोर्ड कक्षा के सत्र 2022-23 में अध्ययनरत 54 विद्यार्थी न्यादर्श के रूप में सौद्देश्यपूर्ण चयनित किए गए।

निष्कर्ष

1. विद्यालय का मासिक उपस्थिति प्रतिशत

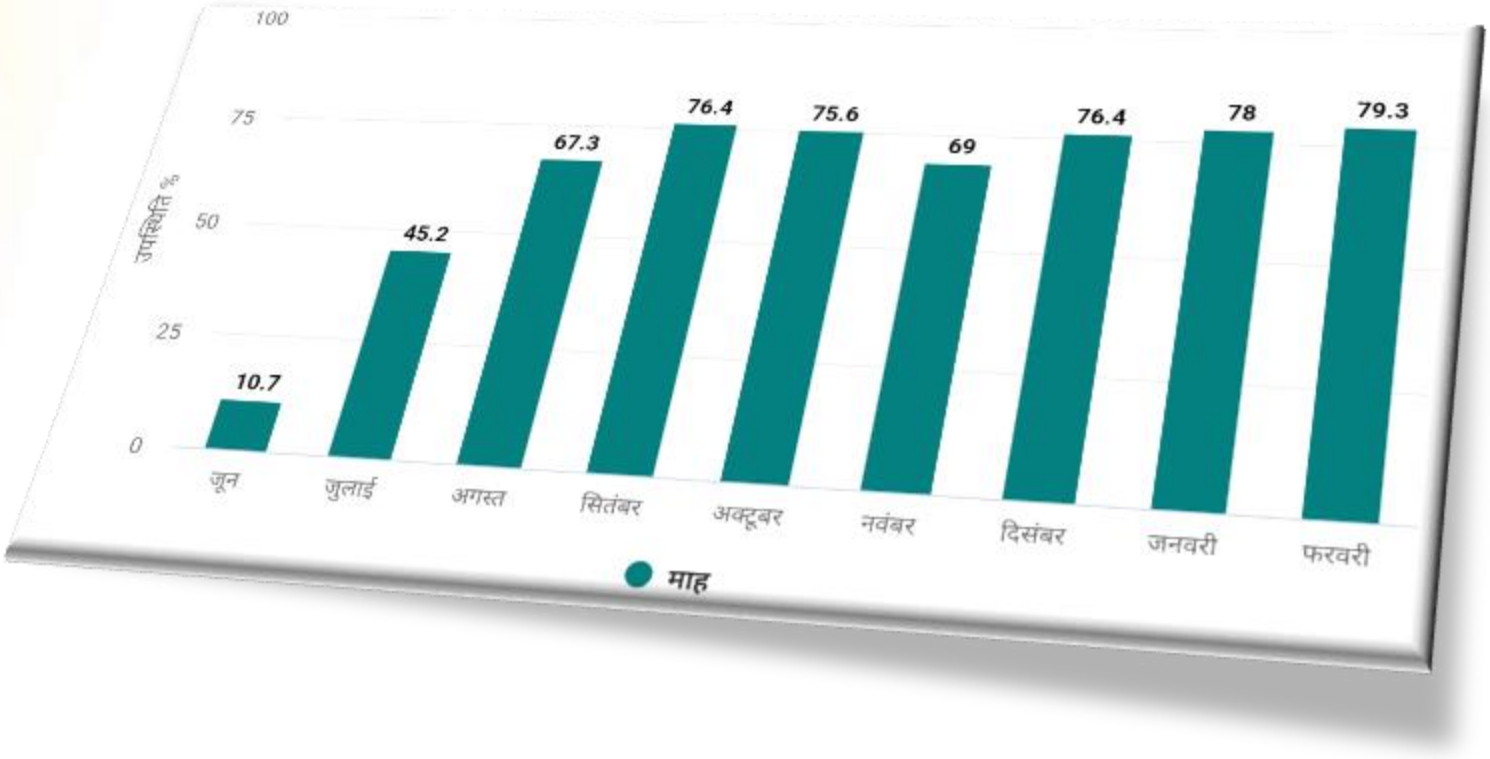

2. बालक विद्यार्थियों के उपस्थिति प्रतिशत और परीक्षा परिणाम प्रतिशत में सामान्य सकारात्मक सह संबंध है, अर्थात उपस्थिति प्रतिशत बढ़ने पर परीक्षा परिणाम प्रतिशत सामान्य रूप से बढ़ता है और घटने पर सामान्य रूप से घटता है।

3. बालिका विद्यार्थियों के उपस्थिति प्रतिशत और परीक्षा परिणाम प्रतिशत में प्रबल सकारात्मक सह संबंध है, अर्थात उपस्थिति प्रतिशत बढ़ने पर परीक्षा परिणाम प्रतिशत प्रबल रूप से बढ़ता है और घटने पर प्रबल रूप से घटता है।

4. समस्त विद्यार्थियों के उपस्थिति प्रतिशत और परीक्षा परिणाम प्रतिशत में मध्यम सकारात्मक सह संबंध है, अर्थात उपस्थिति प्रतिशत बढ़ने पर परीक्षा परिणाम प्रतिशत मध्यम रूप से बढ़ता है और घटने पर मध्यम रूप से घटता है।

5. 75% से कम उपस्थिति वाले बालक विद्यार्थियों की कम उपस्थिति के कारणों का वरीयता क्रम

क्र.	कम उपस्थिति का कारण	वरीयता	बालक विदयार्थी %
1	विद्यार्थी की अरुचि	1	44.4
2	परिवार की अरुचि	2	29.6
3	विद्यार्थी पर परिवार की आर्थिक निर्भरता	3	7.4
4	विद्यार्थी का खराब स्वास्थ्य	3	7.4
5	पारिवारिक समस्याएं	3	7.4
6	विद्यार्थी पर परिवार की घरेलू निर्भरता	4	3.7
7	विद्यालय के प्रयासों में कमी	5	0
8	विद्यार्थी की कोचिंग पर निर्भरता	5	0

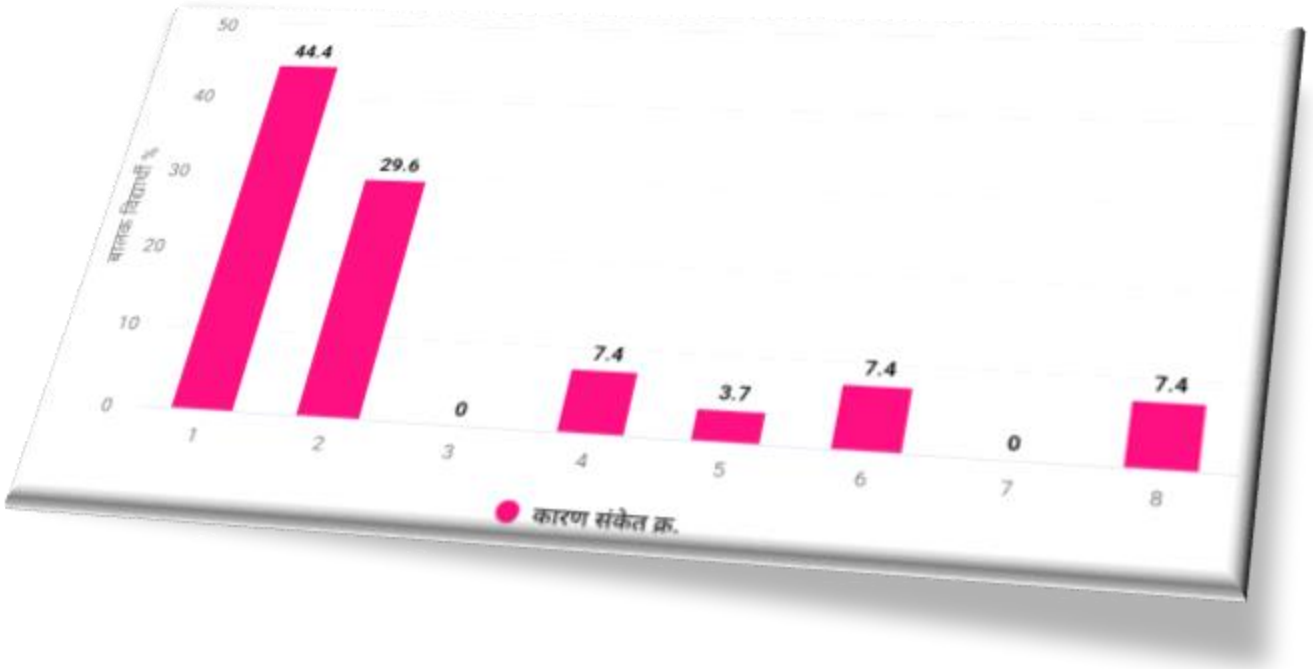

6. 75% से कम उपस्थिति वाली बालिका विद्यार्थियों की कम उपस्थिति के कारणों का वरीयता क्रम

क्र.	कम उपस्थिति का कारण	वरीयता	बालक विदयार्थी %
1	विद्यार्थी की अरुचि	1	39.1
2	परिवार की अरुचि	2	26.1
3	विद्यार्थी का खराब स्वास्थ्य	3	21.7
4	पारिवारिक समस्याएं	4	13.0
5	विद्यार्थी पर परिवार की आर्थिक निर्भरता	5	0
6	विद्यार्थी पर परिवार की घरेलू निर्भरता	5	0
7	विद्यालय के प्रयासों में कमी	5	0
8	विद्यार्थी की कोचिंग पर निर्भरता	5	0

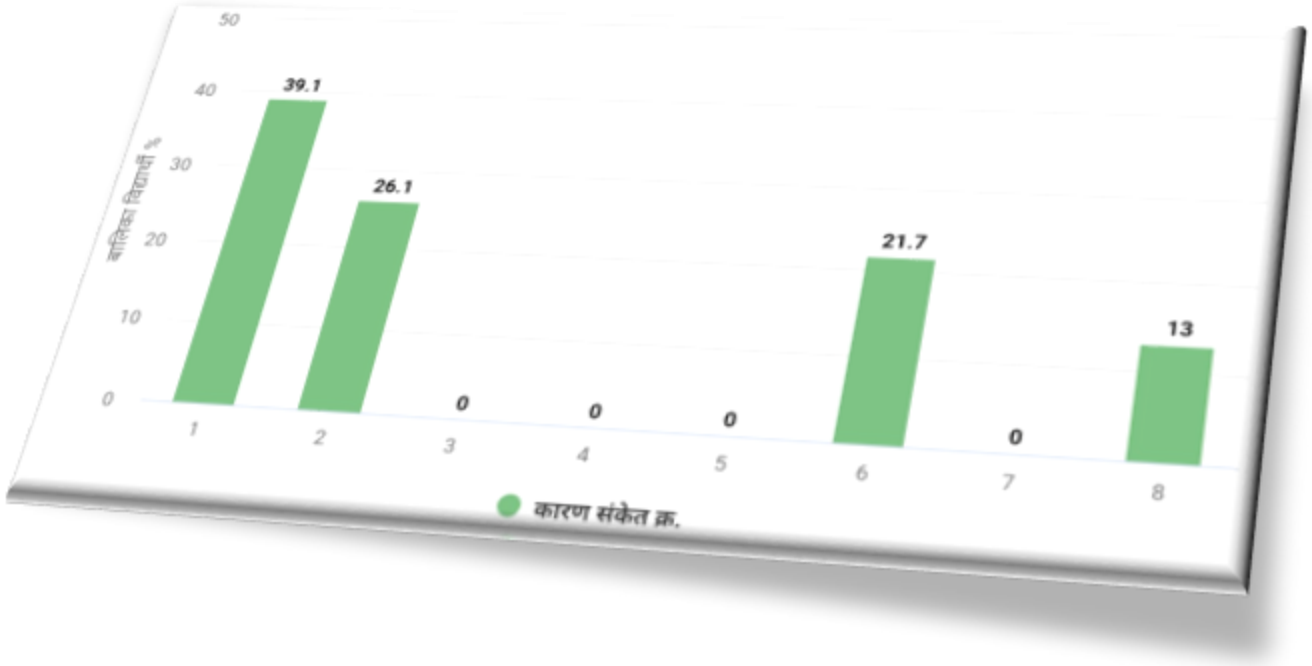

7. 75% से कम उपस्थिति वाले समस्त विद्यार्थियों की कम उपस्थिति के कारणों का वरीयता क्रम

क्र.	कम उपस्थिति का कारण	वरीयता	बालक विदयार्थी %
1	विद्यार्थी की अरुचि	1	42.0
2	परिवार की अरुचि	2	28.0
3	विद्यार्थी का खराब स्वास्थ्य	3	14.0
4	पारिवारिक समस्याएं	4	10.0
5	विद्यार्थी पर परिवार की आर्थिक निर्भरता	5	4.0
6	विद्यार्थी पर परिवार की घरेलू निर्भरता	6	2.0
7	विद्यालय के प्रयासों में कमी	7	0
8	विद्यार्थी की कोचिंग पर निर्भरता	7	0

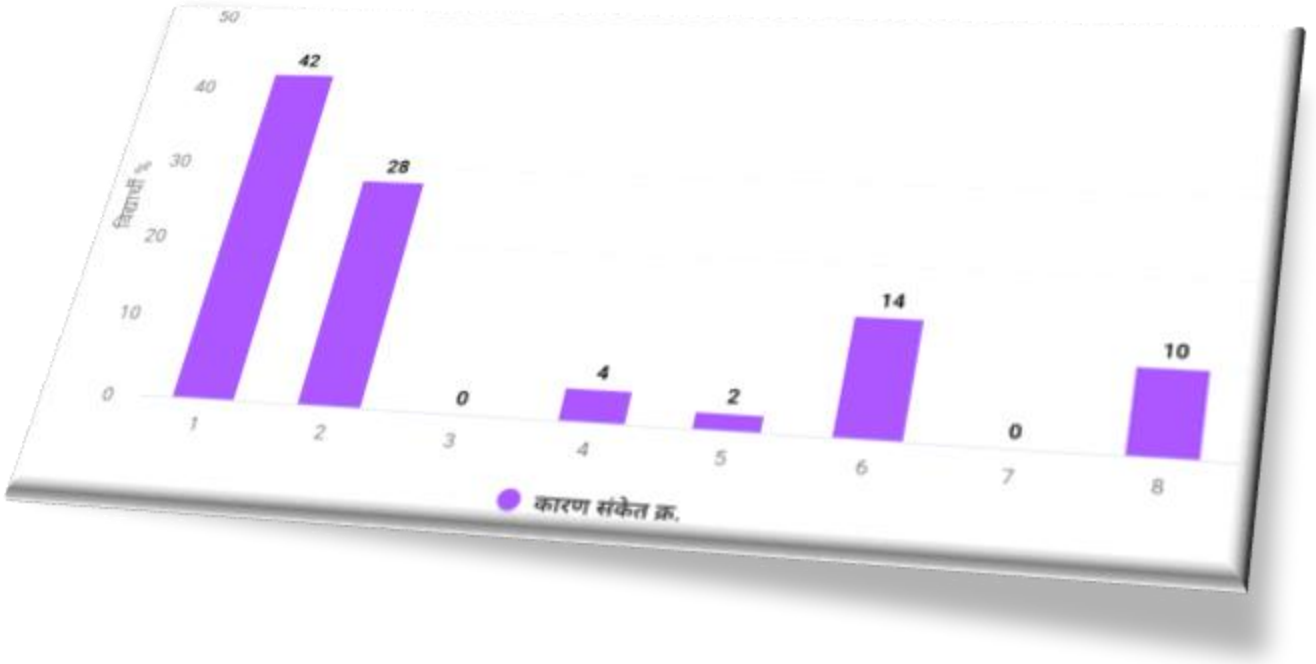

सामान्य निष्कर्ष

1. विद्यार्थियों की उपस्थिति एवं उनके परीक्षा परिणाम में सीधा संबंध है। यदि विद्यार्थी की उपस्थिति नियमित है तो उसका परीक्षा परिणाम अच्छा होगा और यदि उपस्थिति अनियमित है तो परीक्षा परिणाम असंतोषजनक होगा।

2. विद्यालय में विद्यार्थी की कम उपस्थिति के मूल कारण विद्यार्थी अथवा परिवार की शिक्षा के प्रति अरुचि हैं। इसके अलावा विद्यार्थी का खराब स्वास्थ्य, पारिवारिक समस्याएं और विद्यार्थी पर परिवार की आर्थिक अथवा घरेलू निर्भरता जैसे कारण भी विद्यार्थी की उपस्थिति पर असर डालते हैं।

नोट : उक्त शोध अध्ययन का पूर्ण शोध पत्र आप निम्न लिंक पर पढ़ सकते हैं –

https://1drv.ms/b/c/72149e868bd1621a/EUt-6vd8NHZNnU9wJN22Kd8B9YZlABzdCWarx8lWu9g7fw

उद्देश्य प्राप्ति हेतु लक्ष्य निर्धारण करने के लिए अप्रेल’2024 में किए गए शोध अध्ययन का सार 👇

मार्गदर्शक : डॉ. के.डी. श्रीवास्तव (प्राचार्य)

शोधकर्ता : मो. आमीन शेख़ (मा.शि. गणित / पी-एच.डी. शोधार्थी)

शीर्षक : जिला भोपाल के विकासखंड फंदा पुराना शहर में निवासरत परिवारों में आयुवर्ग 6-18 वर्ष के शाला त्यागी बच्चों के शाला त्यागने के कारणों एवं शाला त्यागी बच्चों वाले परिवारों के प्रतिशत का विवेचनात्मक अध्ययन।

भूमिका : समग्र शिक्षा कार्यक्रम की 2023-24 की एक रिपोर्ट के अनुसार सरकार नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में लक्षित साल 2030 तक स्कूली शिक्षा के स्तर पर 100% सकल नामांकन दर हासिल करना चाहती है और बच्चों के बीच में पढ़ाई छोड़ने को इसमें बाधा मान रही है। इसके अनुसार शाला त्यागी (ड्रॉप आउट) बच्चों की राष्ट्रीय दर 12.6% है, जो पिछली बार की गणना से ज्यादा है। इसमें भी 7 राज्य प्रमुख हैं, जैसे बिहार, आंध्र प्रदेश, असम, गुजरात, कर्नाटक, मेघालय, पंजाब में ड्रॉपआऊट करने वालों की संख्या ज्यादा है।

इतनी बड़ी संख्या में स्कूल जाने वाले बच्चे अपनी पढ़ाई छोडने के लिए क्यों मजबूर हैं कुछ कारण इस तरह के हैं जैसे कि शिक्षा महंगी होती जा रही है, निजी स्कूलों में बच्चों को पढ़ाना बहुत मुश्किल है। कुछ परिवार कलेजा मजबूत कर बच्चों को निजी स्कूलों में दाखिला दिला भी देते हैं, तो विवश होकर बीच में ही उन्हें बच्चों की पढ़ाई रुकवा देनी पड़ती है। छात्रों के फेल होने, शरारत या फीस जमा नहीं होने पर कार्रवाई के चलते बच्चों को स्कूल छोड़ने पर भी विवश होना पड़ता है। अत: शाला त्यागी बच्चों की संख्या कम करने हेतु विभिन्न स्तरों पर प्रयास अत्यावश्यक हैं।

आवश्यकता एवं महत्व

शाला त्यागी बच्चों की संख्या कम करने एवं उन्हें शाला की ओर आकर्षित करने में शासकीय विद्यालय एक बड़ी भूमिका निभाते हैं। शासन द्वारा निरंतर ऐसे बच्चों की मॉनिटरिंग संबंधित कार्यक्रम चलाए जाते हैं, एवं उन्हें शाला में बुलाने हेतु प्रयास किए जाते हैं।

शाला त्यागी बच्चों के शाला त्यागने के कारणों एवं समाज में उनके प्रतिशत को जाँचना अत्यावश्यक है। अत: सर्वे विधि द्वारा इन घटकों के विवेचन का प्रयास किया गया है। जो निकट भविष्य में शाला त्यागी बच्चों हेतु नीति निर्धारण एवं कार्यान्वयन में उपयोगी साबित होगा।

उद्देश्य

1. शाला त्यागी बच्चों के शाला त्यागने के कारणों का वरीयता क्रमानुसार विश्लेषण करना।
2. शाला त्यागी बच्चे के शाला त्यागने की कक्षा को ज्ञात करना।
3. शाला त्यागी बच्चे के शाला त्यागने के स्तर (प्राथमिक/माध्यमिक/उच्च/उच्चतर) को ज्ञात करना।
4. शाला त्यागी बच्चों का प्रति परिवार औसत ज्ञात करना।
5. शाला त्यागी बच्चों वाले परिवारों का समाज में प्रतिशत ज्ञात करना।

परिसीमन : जिला भोपाल के विकासखंड फंदा पुराना शहर के अंतर्गत बरखेड़ी-जहाँगीराबाद-ऐशबाग क्षेत्र का चयन सर्वे हेतु किया गया।

न्यादर्श : जिला भोपाल विकासखंड फंदा पुराना शहर के अंतर्गत बरखेड़ी-जहाँगीराबाद-ऐशबाग क्षेत्र के 39 परिवारों का सोद्देश्यपूर्ण चयन किया गया।

निष्कर्ष

1. शाला त्यागी बच्चों के शाला त्यागने के कारण

क्र.	कारण	आवृत्ति	वरीयता क्र.
1	विद्यार्थी/परिवार की अरुचि	10	1
2	विद्यार्थी/परिजन का खराब स्वास्थ्य अथवा परिजन की मृत्यु	3	3
3	परिवार की निजी अथवा आर्थिक समस्याएं	3	3
4	कोरोना लॉकडाउन के दौरान	4	2

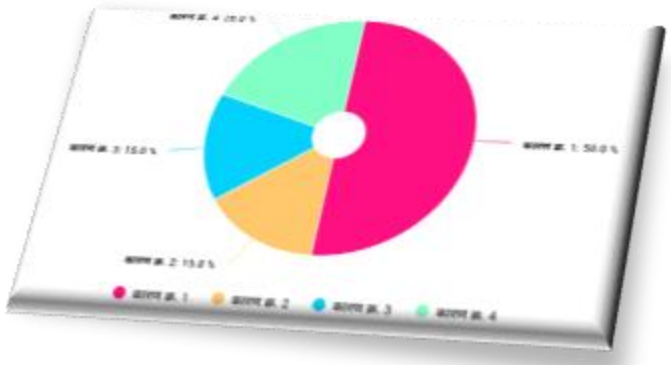

2. शाला त्यागी बच्चे के शाला त्यागने की कक्षा

शाला त्यागने की कक्षा	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
आवृत्ति	1	0	1	1	2	2	2	7	2	2	0	0

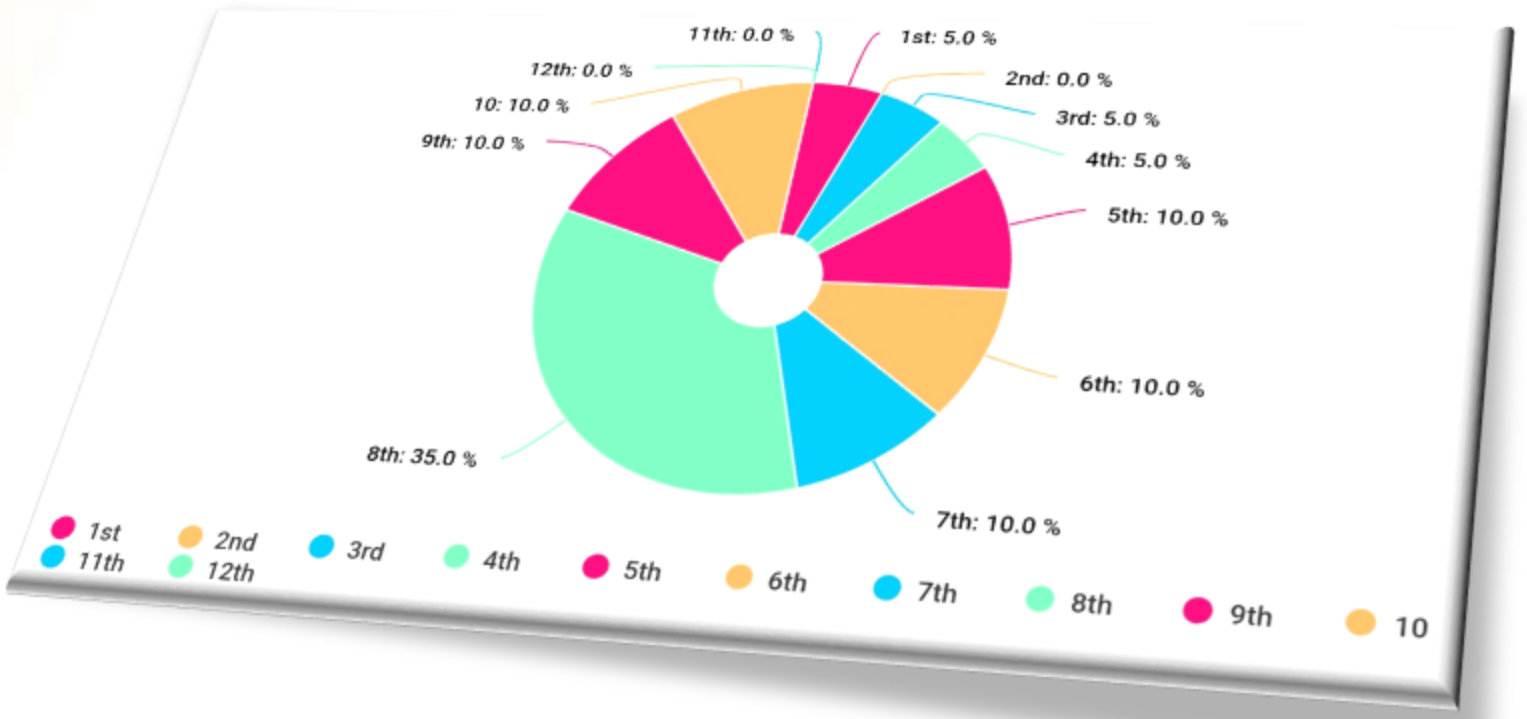

3. शाला त्यागी बच्चे के शाला त्यागने के स्तर (प्राथमिक/माध्यमिक/उच्च/उच्चतर)

शाला त्यागने का स्तर	प्राथमिक शाला	माध्यमिक शाला	उच्च शाला	उच्चतर माध्यमिक शाला
आवृत्ति	5	11	4	0

4. प्रति परिवार शाला त्यागी बच्चों का औसत 0.5 है।

5. समाज में शाला त्यागी बच्चों वाले परिवारों का प्रतिशत 38.5% है।

नोट : उक्त शोध अध्ययन का पूर्ण शोध पत्र आप निम्न लिंक पर पढ़ सकते हैं –

https://1drv.ms/b/c/72149e868bd1621a/ERjTYShedfFDnuOh3grxtIcBopbsXOqhFXRh0pzSHclsaA

शोध-आधारित विद्यालयीय अनुशंसाएं

उद्देश्य: विद्यालय में छात्र-उपस्थिति, सीखने के परिणाम, अनुशासन एवं सामुदायिक सहभागिता को बढ़ाना; विशेषकर शाला-त्यागी बच्चों की पुनर्वापसी और मुख्यधारा में टिके रहने को सुनिश्चित करना।

भाग–A: सह-शैक्षिक गतिविधियाँ, विद्यालय संस्कृति एवं अभिभावक सहभागिता

A1. गतिविधि कालखंड (Co/Extra-Curricular Periods) का सुव्यवस्थित उपयोग

नीति: निर्धारित सह-शैक्षिक/एक्स्ट्रा-करिकुलर पीरियड्स को पढ़ाई या टेस्ट के लिए कभी इस्तेमाल न किया जाए। इन समयों में खेल, सांस्कृतिक, कला, क्लब, योग, लाइफ़-स्किल्स आदि गतिविधियाँ अनिवार्य रूप से आयोजित हों।

क्या करें (Actionables):

वार्षिक गतिविधि कैलेंडर: खेल, संगीत/नृत्य, नाटक, कला, पुस्तक–क्लब, विज्ञान/रोबोटिक्स, योग/फ़िटनेस, वाद–विवाद/क्विज़।

प्रति सप्ताह कम-से-कम 2 पीरियड (35–45 मिनट) सह-शैक्षिक गतिविधियों हेतु आरक्षित रहें।

हाउस/क्लब सिस्टम लागू करें; प्रत्येक में एक शिक्षक–समन्वयक, छात्र–अध्यक्ष, लॉगबुक।

संसाधन सूची: मैदान/उपकरण, कला–सामग्री, साउंड–सिस्टम, प्राथमिक चिकित्सा किट।

न करें: इन पीरियड्स में क्लास–टेस्ट, कॉपी–चेकिंग, रटाव अभ्यास, दंड।

परिणाम–सूचक (KPI): मासिक उपस्थिति % में सुधार, गतिविधि–सहभागिता %, अनुशासन–घटनाओं में कमी, छात्र–संतुष्टि फ़ीडबैक।

A2. पालक–शिक्षक बैठक (PTM) में प्रेरक सत्र

नीति: PTM के दौरान शिक्षक 8–10 मिनट का प्रेरक संक्षिप्त वक्तव्य दें; शिक्षा के दीर्घकालिक लाभ (जीवन–कौशल, रोज़गार, स्वास्थ्य) एवं संघर्ष में सफल लोगों के उदाहरण शामिल हों।

PTM एजेंडा (45–60 मिनट):

1. स्वागत एवं उद्देश्य (5 मिनट)

2. प्रेरक वक्तव्य (10 मिनट)

3. कक्षा–विशेष प्रगति/आवश्यकताएँ (15 मिनट)

4. घर पर सहायता के सरल तरीके (10 मिनट)

5. प्रश्न–उत्तर एवं अगला कदम (10 मिनट)

माइक्रो–स्पीच टेम्पलेट (5 बिंदु): कहानी → सीख → शिक्षा का संबंध → घर की भूमिका → छोटा संकल्प।

KPI: अभिभावक–उपस्थिति %, फीडबैक स्कोर, PTM के बाद गृह–रूटीन अपनाने की दर।

A3. स्थानीय आदर्श व्यक्तियों (Role Models) का आमंत्रण

नीति: विद्यार्थियों के आस–पास के मोहल्लों में रहने वाले संघर्षशील एवं सफल नागरिकों को मोटिवेशनल टॉक हेतु आमंत्रित करें। स्थानीय संदर्भ विद्यार्थियों पर अधिक प्रभाव डालता है।

क्रियान्वयन:

पालक शिक्षक/नगर–समिति के माध्यम से पहचान; 10–12 मिनट की टॉक + 5 मिनट Q&A।

विषय–विस्तार: शिक्षा, अनुशासन, समय–प्रबंधन, असफलता से सीख, करियर–विकल्प।

“रोल–मॉडल वॉल” पर अतिथियों के फोटो/उक्ति प्रदर्शित करें।

KPI: प्रति त्रैमास 2–3 सत्र, छात्र–प्रेरणा अंक (फ़ीडबैक), उपस्थिति में परिवर्तन।

A4. पालकों से संवाद का आचार–संहिता (Teacher–Parent Code of Conduct)

Do’s:

विनम्र भाषा, सक्रिय श्रवण, तथ्य–आधारित फीडबैक, समाधान–उन्मुख संवाद।

“मैं–वाक्य” (I–statements), समय–पालन, गोपनीयता का सम्मान।

Don’ts:

तुलना/लेबलिंग, सार्वजनिक आलोचना, आक्रामक स्वर, अनावश्यक तकनीकी शब्दावली।

उपकरण: PTM–नोट्स फ़ॉर्म, फॉलो–अप कॉल/मैसेज, द्विभाषी (स्थानीय भाषा + हिंदी) संप्रेषण।

KPI: अभिभावक शिकायतों में कमी, सहयोगात्मक योजनाओं की संख्या, फॉलो–अप पूर्णता %।

A5. गाइडेंस एवं काउंसलिंग को संस्थागत बनाना

प्रक्रिया–प्रवाह:

1. प्राथमिक पहचान: कक्षा–शिक्षक की मासिक चेकलिस्ट (उपस्थिति, व्यवहार, स्वास्थ्य संकेत)।

2. रेफ़रल फॉर्म: आवश्यकता पर समन्वयक/काउंसलर को।

3. 1:1 बैठक: लक्ष्य–निर्धारण, माता–पिता की भागीदारी।

4. छात्र सहायता योजना (ILP/SSP): 4–6 सप्ताह के लक्ष्य; समीक्षा।

5. स्वास्थ्य–लिंक: नज़दीकी PHC/आशा कार्यकर्ता से तालमेल (दृष्टि, एनीमिया, पोषण)।

दस्तावेज़ीकरण: गोपनीय रिकॉर्ड, मासिक समीक्षा, समेकित रिपोर्ट।

KPI: रेफ़रल→समाधान दर, दीर्घ अनुपस्थिति में कमी, सीखने के स्तर में सुधार।

A6. सामाजिक संस्थाओं/NGO के साथ साझेदारी

कदम:

3–5 स्थानीय NGO/CSR इकाइयों का मैपिंग; भूमिका–विभाजन (रीमेडियल, मेंटोरिंग, संसाधन)।

सरल MoU: बाल–सुरक्षा नीति, स्वयंसेवक अभिमुखीकरण, अभिभावक–सम्मति।

संसाधन–सहायता: पुस्तक/किट, यूनिफॉर्म, डिजिटल/रिमेडियल सत्र, करियर–मार्गदर्शन।

KPI: लाभान्वित छात्रों की संख्या, संसाधन–मूल्य (इन–काइंड/कैश), उपस्थिति/परिणाम में सुधार।

भाग–B: शाला–त्यागी बच्चों की पहचान, पुनर्वापसी एवं टिकाव

B1. ब्रिज–सेंटर (आवासीय/गैर–आवासीय) — गैर–आवासीय केंद्र प्राथमिकता

नीति: पहचान → ब्रिज–कोर्स (8–12 सप्ताह, मॉड्यूलर) → पुनर्प्रवेश → 90 दिन टिकाव–सहायता।

अवयव:

लचीला समय, आधारभूत साक्षरता/अंक–ज्ञान (FLN) पर फोकस।

बडी–सिस्टम (समान आयु साथी), मार्गदर्शक शिक्षक।

परिवहन/यातायात सहायता (जहाँ संभव), मध्याह्न–भोजन से जुड़ाव।

समर्थन किट: कॉपी–पुस्तक, स्टेशनरी, बैग।

KPI: पुनर्प्रवेश संख्या, 90–दिवसीय सतत उपस्थिति %, बेसलाइन–एंडलाइन प्रगति।

B2. अभिभावक संवाद एवं सामुदायिक अभियान (सिर्फ़ नए प्रवेश नहीं)

नीति: “शाला–प्रवेश महोत्सव”, “विद्या चलो/स्कूल चलो/स्कूल वापसी” जैसे अभियान मौजूदा छात्रों की वापसी/टिकाव के लिए भी हों।

कदम:

वार्ड/मोहल्ला–वार द्वार–द्वार संपर्क; विश्वसनीय व्यक्ति (SMC, आँगनवाड़ी, शिक्षक)।

समुदाय बैठकें: सुरक्षा, सपोर्ट सिस्टम, समय–सारिणी, संपर्क–व्यक्ति।

विशेष PTM–कैंप: वापसी छात्रों के लिए स्वागत, आवश्यकताओं का त्वरित समाधान।

KPI: संपर्क–कवरेज %, वापसी–छात्रों की संख्या, छूटे दिनों में कमी।

B3. शॉर्ट–फ़िल्म, पोस्टर, वाल–पेंटिंग के माध्यम से जागरूकता

सामग्री–थीम: शिक्षा–रोज़गार संबंध, बाल–विवाह का जोखिम, डिजिटल–सुरक्षा, स्वच्छता, रोल–मॉडल कथाएँ।

क्रियान्वयन:

स्टूडेंट IEC–क्लब: सप्ताह में 1 पीरियड, पोस्टर/रैली/नुक्कड़–नाटक।

प्रातःसभा में 10–15 मिनट की स्क्रीनिंग/प्रस्तुति (ऑफ़लाइन फ़ाइलें/USB)।

अनुमतियाँ एवं स्थान: स्कूल दीवारें, समुदायिक स्थल, पंचायत नोटिस–बोर्ड।

KPI: गतिविधि–संख्या/माह, समुदाय फ़ीडबैक, वापसी–नामांकन से सह–संबंध।

B4. स्वच्छता, सुरक्षित जल–भोजन एवं बाल–सुरक्षा

मानक–चेकलिस्ट (दैनिक/साप्ताहिक):

स्वच्छ शौचालय, हैंड–वॉश स्टेशन, सुरक्षित पेयजल।

मध्याह्न–भोजन की गुणवत्ता/स्वाद–परीक्षण, भोजन–रिकॉर्ड।

सुरक्षा प्रोटोकॉल: आग/आपदा अभ्यास (त्रैमासिक), विज़िटर रजिस्टर, शिकायत–पेटी, बाल–सुरक्षा फोकल–पर्सन।

KPI: छात्र–स्वास्थ्य घटनाओं में कमी, संतुष्टि सर्वे, सुरक्षा अभ्यास–पूर्ति।

B5. ब्रिज–लर्नर्स हेतु व्यय–प्रावधान और संसाधन–संग्रह

बजट–शीर्ष: लर्निंग–किट, यात्रा–सहायता, काउंसलिंग/रीमेडियल, खेल/कला–अनुभव, दस्तावेज़–प्रिंटिंग।

संसाधन–स्रोत: शाला विकास, CSR/NGO, पूर्व–छात्र (Alumni), सामुदायिक दान।

KPI: प्रति–छात्र सहायता–मूल्य, शिक्षण–सामग्री उपलब्धता %, टिकाव–दर।

90–दिन रोडमैप (संक्षिप्त)

0–30 दिन:

गतिविधि कैलेंडर, PTM–एजेंडा, Code of Conduct जारी।

शाला–त्यागी बच्चों की सूची, बेसलाइन सर्वे, IEC–क्लब गठन।

31–60 दिन:

गैर–आवासीय ब्रिज–कोर्स आरंभ; स्थानीय रोल–मॉडल सत्र (कम–से–कम 2)।

NGO/CSR मैपिंग, MoU ड्राफ्ट, संसाधन–किट वितरण।

61–90 दिन:

90–दिवसीय टिकाव–समीक्षा; ILP/SSP अपडेट।

सुरक्षा/स्वच्छता ऑडिट, सुधार–कार्यवाही।

निगरानी एवं समीक्षा तंत्र

मासिक समीक्षा बैठक (प्राचार्य/लीडर): KPI डैशबोर्ड, बाधाएँ, समाधान।

डेटा–बिंदु: उपस्थिति %, PTM–उपस्थिति, रेफ़रल–समाधान दर, वापसी–छात्र टिकाव, गतिविधि–सहभागिता।

पारदर्शिता: नोटिस–बोर्ड पर सार–रिपोर्ट; त्रैमासिक समुदाय मीटिंग में प्रस्तुति।

त्वरित उपयोग के लिए संलग्न टेम्पलेट्स (संक्षेप)

1. PTM माइक्रो–एजेंडा: 5 खंड (स्वागत, प्रेरक वक्तव्य, प्रगति, घर–रणनीति, Q&A)।

2. Role–Model निमंत्रण प्रारूप: नाम/विषय/समय/फ़ोटो–अनुमति/संक्षिप्त प्रोफ़ाइल।

3. काउंसलिंग रेफ़रल फ़ॉर्म: छात्र–विवरण, समस्या–प्रकृति, तत्काल सहायता, अगला सत्र।

4. गतिविधि–टाइमटेबल नमूना: हाउस–वार/क्लब–वार सप्ताह–योजना, लॉगबुक।

5. ब्रिज–कोर्स दिनचर्या: 2×45 मिनट FLN, 1×30 मिनट जीवन–कौशल, 1×30 मिनट खेल/कला।

समापन: उपर्युक्त अनुशंसाएँ नीति + प्रक्रिया + माप के त्रिक पर आधारित हैं। नियमित समीक्षा और स्थानीय संदर्भ के अनुसार अनुकूलन से 1–2 सत्रों में ही स्पष्ट सुधार दिखाई देगा।

KPI (Key Performance Indicators)
MoU (Memorandum of Understanding)
IEC (Information, Education and Communication)
ILP (Individual Learning Plan)
SSP (Student Support Plan)
CSR (Corporate Social Responsibility)
PHC (Primary Health Centre)

प्रयास और सफलता की राह

तकनीकी समर्थित शिक्षण

STEAM आधारित अधिगम

कला समेकित शिक्षण

FLN आधारित अधिगम

सुव्यवस्थित
प्रार्थना
सभा

नियमित
व्यायाम
अभ्यास

नवाचारी
पाठ्य
योजनाएं

नियमित
कक्षा
निरीक्षण

स्वच्छता
स्वास्थ्य
पौधारोपण

नियमित
पालक शिक्षक
बैठकें और गृह
संपर्क

खेलकूद
आयोजन

विशेषज्ञों द्वारा
नियमित
शिक्षक प्रशिक्षण

सांस्कृतिक गतिविधियाँ, CCLE, बाल सभा

संगीत शिक्षा

सर्वसुविधायुक्त
उन्नत
प्रयोगशालाएं

गाइडेंस
&
काउंसलिंग

विद्यार्थियों द्वारा प्रोजेक्ट वर्क

शिक्षकों द्वारा नवाचारी TLM

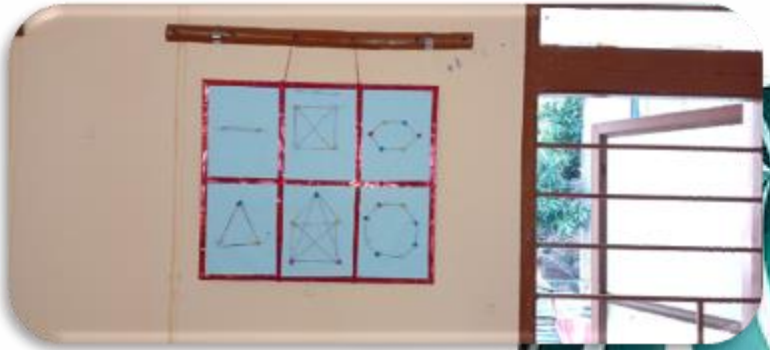

सुव्यवस्थित सूचनाएं

रोबोटिक्स क्लासेस

विद्यालय का यू-ट्यूब चैनल – https://youtube.com/@cmrsbbmp?si=V0HLtINekRJV3V_J

विद्यालय की वेबसाइट – https://cmrsbbmp.my.canva.site/

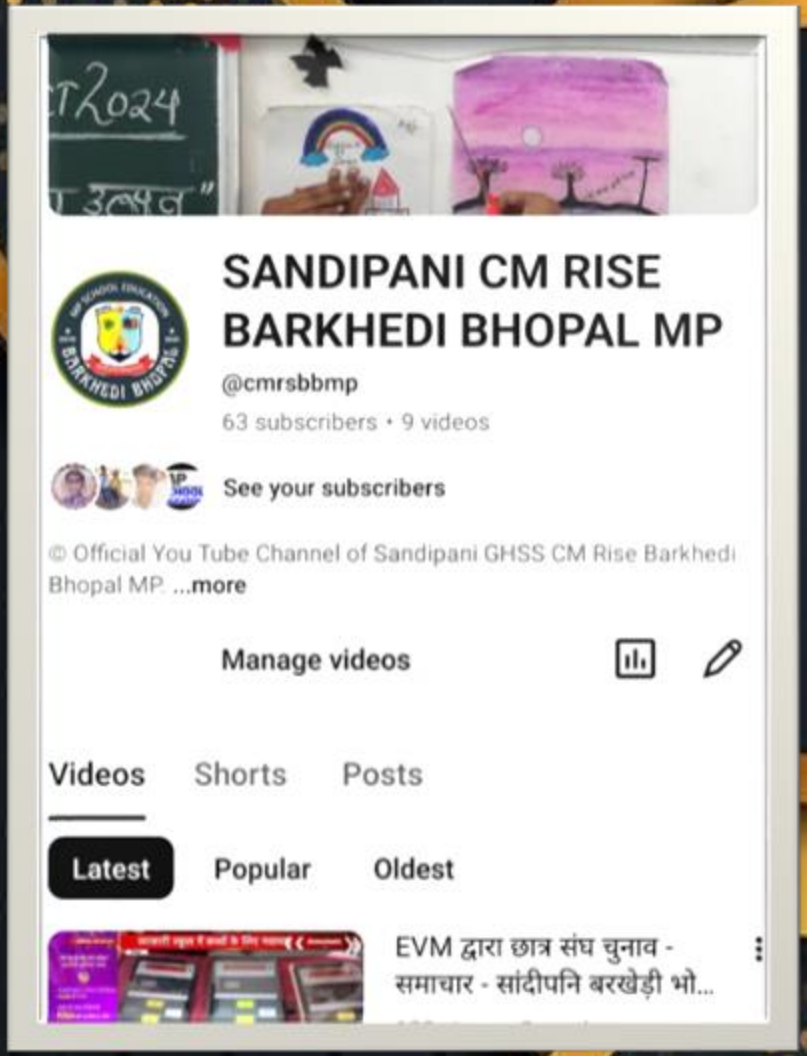

राज्य स्तरीय राष्ट्रभाषा प्रचार प्रतियोगिता में शाला की छात्रा ने राज्य में द्वितीय स्थान प्राप्त किया

जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में शाला की छात्राओं ने जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया

रोड सेफ्टी ड्राइंग विजेता 2025

शा.उ.मा.वि. सी.एम. राइज़ बरखेड़ी भोपाल म.प्र.

राष्ट्रीय मींस-कम-मैरिट छात्रवृत्ति (NMMS) हेतु चयनित विद्यार्थी

अलशिफ़ा अंसारी

2023-24

रंजीत भिलाला

2022-23

प्राची राजपूत

2023-24

ईशा सैन

2023-24

प्रिंस यादव

2023-24

शा.उ.मा.वि. सी.एम. राइज़ बरखेड़ी भोपाल म.प्र.

राष्ट्रीय मींस-कम-मैरिट छात्रवृत्ति (NMMS) 2024-25 हेतु चयनित विद्यार्थी

अथर्व नामदेव

विकास अहिरवार

मुस्कान अहिरवार

रजनी सिंह

शा.उ.मा.वि. सी.एम. राइज़ बरखेड़ी भोपाल म.प्र.

के ओलम्पियाड स्टेट लेवल राउंड 2025 हेतु चयनित विद्यार्थी

MP SCHOOL EDUCATION
ESTD 2022
CM RISE VIDYALAYA
BARKHEDI BHOPAL

बच्चे वोटिंग एक्सपीरियंस कर सकें, दो छात्रों ने बनाया सॉफ्टवेयर

भोपाल| सांदीपनि शासकीय विद्यालय बरखेड़ी में मंगलवार को कुछ अलग ही माहौल था। यहां बच्चों के बीच स्टूडेंट्स काउंसिल चुनने के लिए एक खास वोटिंग ड्राइव आयोजित की गई। इसमें स्कूल के करीब 400 स्टूडेंट्स ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के जरिए अपने वोट डाले। अब आप सोचेंगे कि स्कूल में चुनाव के लिए उनके पास ईवीएम कैसे आई। असल में, 10वीं के स्टूडेंट्स हर्ष अहिरवार और मोहम्मद कैफ ने स्कूल में एक सॉफ्टवेयर विकसित किया। इसकी तीन-चार दिनों तक स्कूल में टेस्टिंग हुई। जब यह सफल हुआ, तो पहली बार बच्चों ने इलेक्ट्रॉनिकली वोट देने की प्रक्रिया समझी।

इनोवेशन 20 दिन की मेहनत के बाद तैयार किया सॉफ्टवेयर, छात्रसंघ चुनाव में किया गया उपयोग

सांदीपनी के दो छात्रों ने ईवीएम की तर्ज पर बनाया टैबलेट ईवीएम, दो मिनट में कर रहा वोटों की गिनती

जागरण, भोपाल। बरखेड़ी स्थित सांदीपनी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के दो छात्रों ने सीमित संसाधनों के बीच ईवीएम की तर्ज पर टैबलेट ईवीएम का निर्माण करने में सफलता पाई है। छात्रों द्वारा किए गए इस नवाचार में छात्रसंघ चुनाव के लिए सॉफ्टवेयर का निर्माण किया गया है, ताकि पेपरलेस प्रक्रिया के तहत चुनाव संपन्न कराए जा सकें। बता दें कि साफ्टवेयर का निर्माण कक्षा दसवीं के दो छात्रों हर्ष अहिरवार और मोहम्मद कैफ ने किया है। पूरी प्रक्रिया के दौरान छात्रों को शिक्षक प्रदीप श्रीवास्तव का मार्गदर्शन भी प्राप्त हुआ है। सॉफ्टवेयर के निर्माण के बाद स्कूल प्रशासन द्वारा टैबलेट ईवीएम के जरिए 2025-26 के छात्रसंघ चुनाव कराए गए, जो पूरी तरह से डिजिटल और पेपरलेस तरीके से संपन्न कराए गए। छात्रों ने बताया कि उन्होंने केवल 20 दिन की मेहनत से यह सॉफ्टवेयर तैयार किया, जिसका उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया को पर्यावरण के अनुकूल और पारदर्शी बनाना था।

छात्रसंघ चुनाव पहली बार डिजिटल और पेपरलेस

स्कूल के छात्रसंघ के लिए आरक्षित चारों पदों के लिए अलग-अलग टैबलेट को ईवीएम मशीन के रूप में प्रयोग किया गया। मतदान के लिए कुल दो बूथ बनाए गए थे। जिसमें छात्राओं के मतदान के लिए पिंक बूथ बनाया गया था। चुनाव में चुनाव आयोग के निर्देशानुसार मतदान दल का गठन किया गया था, जिसमें पीठासीन अधिकारी मतदान अधिकारी थे। स्कूल लगने के साथ ही वोट डालने के लिए बच्चों की कतारें लग गईं थीं। बच्चों ने ईवीएम के माध्यम से चुनाव में अपना वोट डाला और अपने हाथों पर अमिट स्याही लगवाई, जिसका उत्साह अलग ही था। आयोजन के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) नरेंद्र अहिरवार मौजूद रहे, जिन्होंने छात्रों के प्रयासों की सराहना की और उन्हें भविष्य का नेता बताया। छात्र संघ चुनाव में स्कूल के हेड्बॉय ईशान पवार, हेडगर्ल रिद्धिमा मुखर्जी, वाइस हेडबॉय शैलेंद्र अहिरवार आजाद और वाइस हेड्गर्ल सुचेता साहू विजयी रहे। चुनाव प्रबंधन समिति में प्रदीप श्रीवास्तव, नेहा दुबे, रागिनी सैनी, अनिता सारस्वत, थे। प्रधानाचार्य केडी श्रीवास्तव ने सभी विजेताओं को बधाई दी।

असली ईवीएम की तरह दिखता है टैबलेट ईवीएम

छात्रों का टैबलेट ईवीएम असली ईवीएम की तरह ही दिखाता है और इसमें उम्मीदवारों के नाम और फोटो वाले बटन हैं, जिससे मतदाता सीधे टैबलेट स्क्रीन पर अपना वोट डाल सकते हैं। साथ ही इसमें नोटा का विकल्प भी शामिल किया गया है। तकनीकी दृष्टिकोण से यह प्रणाली न केवल सुरक्षित है, बल्कि इसमें वोटों की गिनती भी तेजी से होती है। स्कूल प्रशासन की मानें तो इसमें वोटों की गिनती दो मिनट के अंदर पूरी हो जाती है, जिससे चुनाव परिणाम तेजी से मिलते हैं। साथ ही टैबलेट ईवीएम को हैक करना कठिन है, जिससे चुनाव प्रक्रिया में निष्पक्ष और सुरक्षित तरीके से होती है।

The Pioneer BHOPAL | WEDNESDAY | AUGUST 06, 2025 CAPITAL 03

Assembly passes Bill to develop two model metropolitan regions

STAFF REPORTER ■ Bhopal

The minister assured that the development of these metropolitan regions would safeguard the rights of urban local bodies, panchayats, and other authorities

Urban Development and Housing Minister Kailash Vijayvargiya, responding to the discussion on the Madhya Pradesh Metropolitan Region Planning and Development Bill in the Legislative Assembly on Tuesday, said the formation of two metropolitan regions in the state will help realise the government's vision of a self-reliant Madhya Pradesh.

He stated that the Bill would not only address key infrastructure needs such as electricity and roads but also significantly boost economic development and generate employment opportunities.

Vijayvargiya emphasised that the state's development would not come at the cost of the rights of the poor and farmers. The creation of metropolitan cities would be carried out with full respect to the opinions of public representatives and in consultation with subject experts. He informed the House that one metropolitan region would be formed by integrating Indore, Ujjain, Dewas, and Dhar, while the second would include Bhopal, Sehore, Raisen, Vidisha, and Biaora (Rajgarh).

The minister assured that the development of these metropolitan regions would safeguard the rights of urban local bodies, panchayats, and other authorities. A Metropolitan Planning Committee will be constituted for each region, chaired by the Chief Minister.

The Vice-Chairpersons will be the ministers of three key departments- Urban Development and Housing, Panchayat and Rural Development, and Revenue. Members of Parliament and MLAs from the respective areas will also be part of the committee, along with the Chief Secretary and senior officers from various departments. An Executive Committee headed by a Metropolitan Commissioner will also be established, comprising officials from relevant departments.

Vijayvargiya added that areas with populations of 10 lakh or more, comprising one or more districts, would qualify for inclusion in a metropolitan region. The two proposed regions in Madhya Pradesh will be developed in a planned, phased manner and are expected to serve as model metropolitan cities in the country.

<

In the second phase, similar development is proposed in Jabalpur, Gwalior, and Rewa.

Highlighting key features of the proposed regions, the minister said they will include modern transport systems and strict environmental safeguards. He added that 50 percent of designated park areas will be developed into dense forests.

A separate committee will also be set up to promote investment in these metropolitan regions.

Referring to the transformation of Indore, Vijayvargiya said it was achieved through strong public participation and has earned international recognition.

Indore has retained its position as India's cleanest city for eight consecutive years.

Students show their fingers marked with indelible ink after casting their votes through EVMs during students union election at Government Sandipani HS school, Berkhedi in Bhopal on Tuesday. Pioneer photo

Revenue work may be hit as Tehsildars

Cyber fraudsters cheat MP residents of over Rs 1,054 cr

खबरों में

पत्रिका

छात्र संसद का गठन: 10वीं के छात्रों ने ही तैयार किया ईवीएम सॉफ्टवेयर

लोकतंत्र की पाठशाला : सांदीपनि स्कूल में ईवीएम से किया मतदान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. पहली बार किसी शासकीय विद्यालय में पूरी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत छात्र संसद का गठन कर एक अनोखी मिसाल पेश की गई है। यह अनूठा आयोजन राजधानी के शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बरखेड़ी में हुआ, जहां छात्र-छात्राओं ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के माध्यम से अपने प्रतिनिधि चुने। इस पूरी प्रक्रिया में छात्रों ने भारी उत्साह और अनुशासन के साथ भाग लिया। स्कूल में ईवीएम मशीन के रूप में टैबलेट का उपयोग प्रत्येक चारों पद के लिए अलग-अलग किया गया। वोटिंग के लिए कुल दो बूथ बनाए गए। जिसमें एक बूथ छात्राओं की वोटिंग के लिए पिंक बूथ बनाया गया।

इन छात्रों ने तैयार किया सॉफ्टवेयर: खास बात यह है कि मतदान के लिए उपयोग किया गया ईवीएम सॉफ्टवेयर कक्षा 10वीं ए के छात्र हर्ष अहिरवार एवं मोहम्मद कैफ द्वारा शिक्षक प्रदीप श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में विकसित किया गया, जो विद्यालय के तकनीकी नवाचार की मिसाल रही।

मतदान के दौरान छात्राओं में दिखा उत्साह।

सेल्फी पॉइंट भी बनाया: विद्यालय परिसर में छात्रों के लिए एक सेल्फी पॉइंट भी बनाया गया, जो आकर्षण का केंद्र रहा। कई छात्र-छात्राएं वोट डालने के बाद सेल्फी लेते नजर आए, जिससे मतदान को एक उत्सव का रूप मिला और पूरे कार्यक्रम में आनंद एवं भागीदारी की भावना बनी रही।

यह रहे विजेता: छात्र संघ चुनाव में स्कूल हेड बाय ईशान पवार, हेड गर्ल रिद्धिमा मुखर्जी, वाइस हेड बाय शैलेंद्र अहिरवार आजाद एवं वाइस हेड गर्ल सुचेता साहू विजयी रहे। चुनाव प्रबंधन समिति में निर्मल निगोदिया प्रदीप श्रीवास्तव, नेहा दुबे, रागिनी सैनी, अनिता सारस्वत, निधि तिवारी थे।

मतदान दल का गठन भी किया

स्कूल प्राचार्य केडी श्रीवास्तव ने बताया कि चुनाव में निर्वाचन आयोग के अनुरूप मतदान दल का गठन किया गया जिसमें पीठासीन अधिकारी मतदान अधिकारी क्रमांक 1, 2 एवं 3 रहे। सुबह से बच्चों की कतारें वोट डालने के लिए लगी रहीं। बच्चों ने ई वीएम से चुनाव में वोट डालकर हाथ में अमिट स्याही लगवाई जिसका उत्साह अलग रहा।

विद्यालय में पहली बार ईवीएम से छात्र संघ चुनाव सम्पन्न

दैनिक राजधानी पॉवर, भोपाल।

भोपाल सांदीपनि शासकीय उच्च माध्य विद्यालय, बरखेड़ी में छात्र-छात्राओं को लोकतंत्र के महापर्व निर्वाचन की जानकारी के लिए सत्र 2025-26 के छात्र संघ चुनाव ईवीएम मशीन के माध्यम से सफलतापूर्वक सम्पन्न कराए गए। जिसमें ईवीएम मशीन के रूप में टैबलेट का उपयोग प्रत्येक चारों पद के लिए अलग-अलग किया गया। वोटिंग के लिए कुल दो बूथ बनाए गए। एक पिंक बूथ मतदान के लिए छात्राओं के लिए बनाया गया।

इस बार चुनाव विशेष रहा क्योंकि मतदान हेतु उपयोग किया गया ईवीएम सॉफ्टवेयर कक्षा 10वीं अ के छात्र हर्ष अहिरवार एवं मोहम्मद कैफ द्वारा शिक्षक प्रदीप श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में विकसित किया गया, जो विद्यालय के तकनीकी नवाचार की मिसाल रही।

चुनाव में निर्वाचन आयोग के अनुरूप मतदान दल का गठन किया गया जिसमें पीठासीन अधिकारी मतदान अधिकारी क्रमांक 1, 2 एवं 3 रहे। सुबह से बच्चों की कतारें वोट डालने के लिए लगी रहीं। बच्चों ने ईवीएम से चुनाव में वोट डालकर हाथ में अमिट स्याही लगवाई जिसका उत्साह अलग रहा।

इस आयोजन की गरिमा को और बढ़ाया जिला शिक्षा अधिकारी नरेंद्र अहिरवार की उपस्थिति ने, जिन्होंने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य का नेतृत्वकर्ता बताया। छात्र संघ चुनाव में स्कूल हेड बाय ईशान पवार, हेड गर्ल रिद्धिमा मुखर्जी, वाइस हेड बाय शैलेंद्र अहिरवार आजाद एवं वाइस हेड गर्ल सुचेता साहू विजयी रहे। चुनाव प्रबंधन समिति में निर्मल निगोदिया प्रदीप श्रीवास्तव, नेहा दुबे, रागिनी सैनी, अनिता सारस्वत, ने सभी विजेताओं को बधाई दी।

हमारा स्वाभिमान उत्सव मनाया गया

भोपाल। सांदीपनि शा.उ.मा.वि. बरखेड़ी (रशीदिया) में हमारा विद्यालय, हमारा स्वाभिमान उत्सव उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों व शिक्षकों ने विद्यालय को स्वच्छ, अनुशासित एवं उत्कृष्ट बनाने की शपथ ली। कार्यक्रम में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित एवं म.प्र. शिक्षक संघ संगठन मंत्री देवीदयाल भारती मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्राचार्य डॉ. के.डी. श्रीवास्तव, उप-प्राचार्य पवन द्विवेदी, मा.प्र. एवं प्रा.प्र. प्रधानाध्यापक संगीता भटनागर एवं आरिफ अंजुम सिद्दीकी सहित समस्त शिक्षकगण भी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का संचालन प्रवीण वानी ने किया।

खबरों में

सकारात्मक परिणाम आँकड़ों में

विद्यालय के नामांकन में वृद्धि

विद्यालय के ड्रॉपआउट में कमी

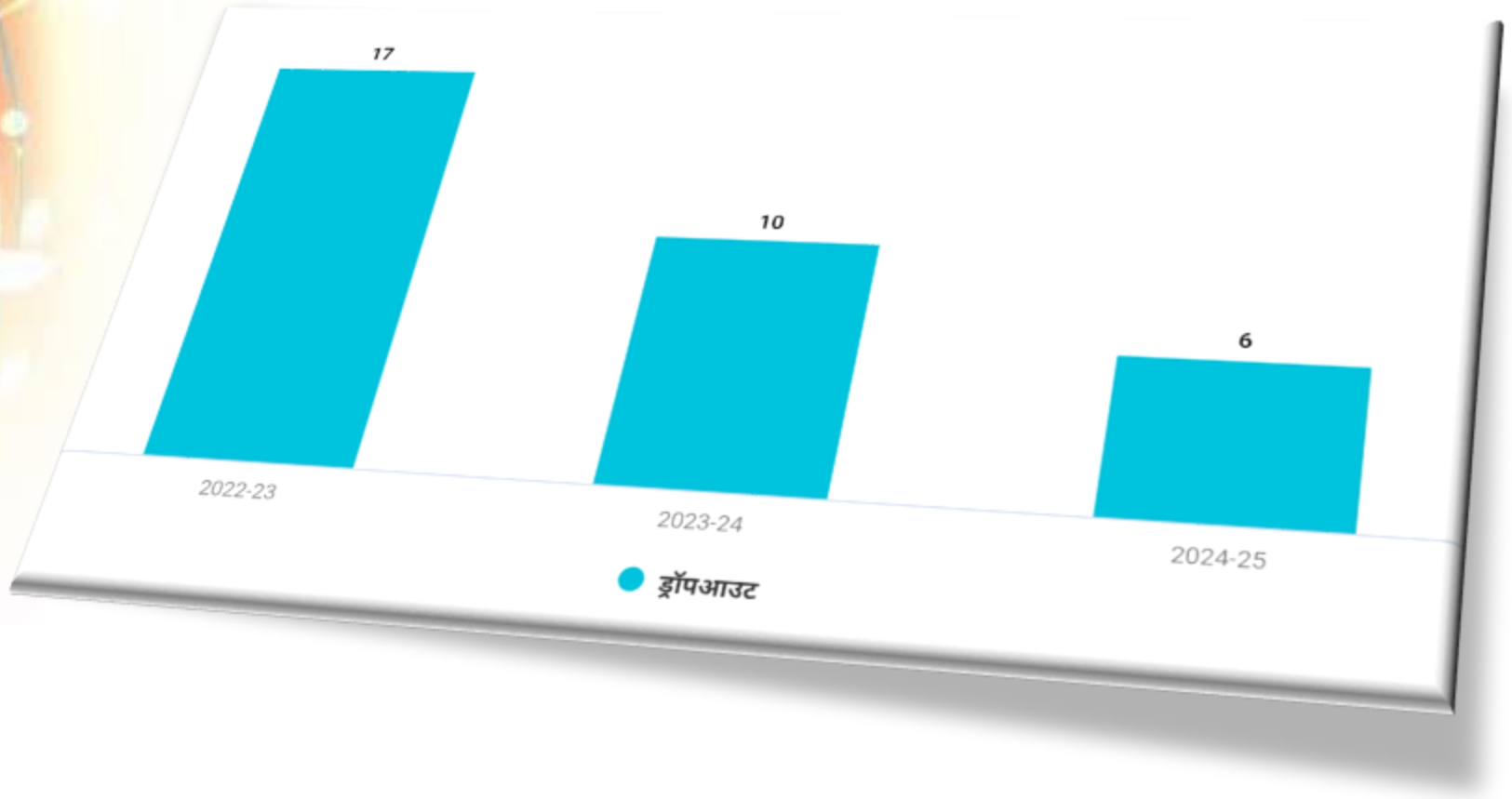

पिछले सत्र की उपस्थिति

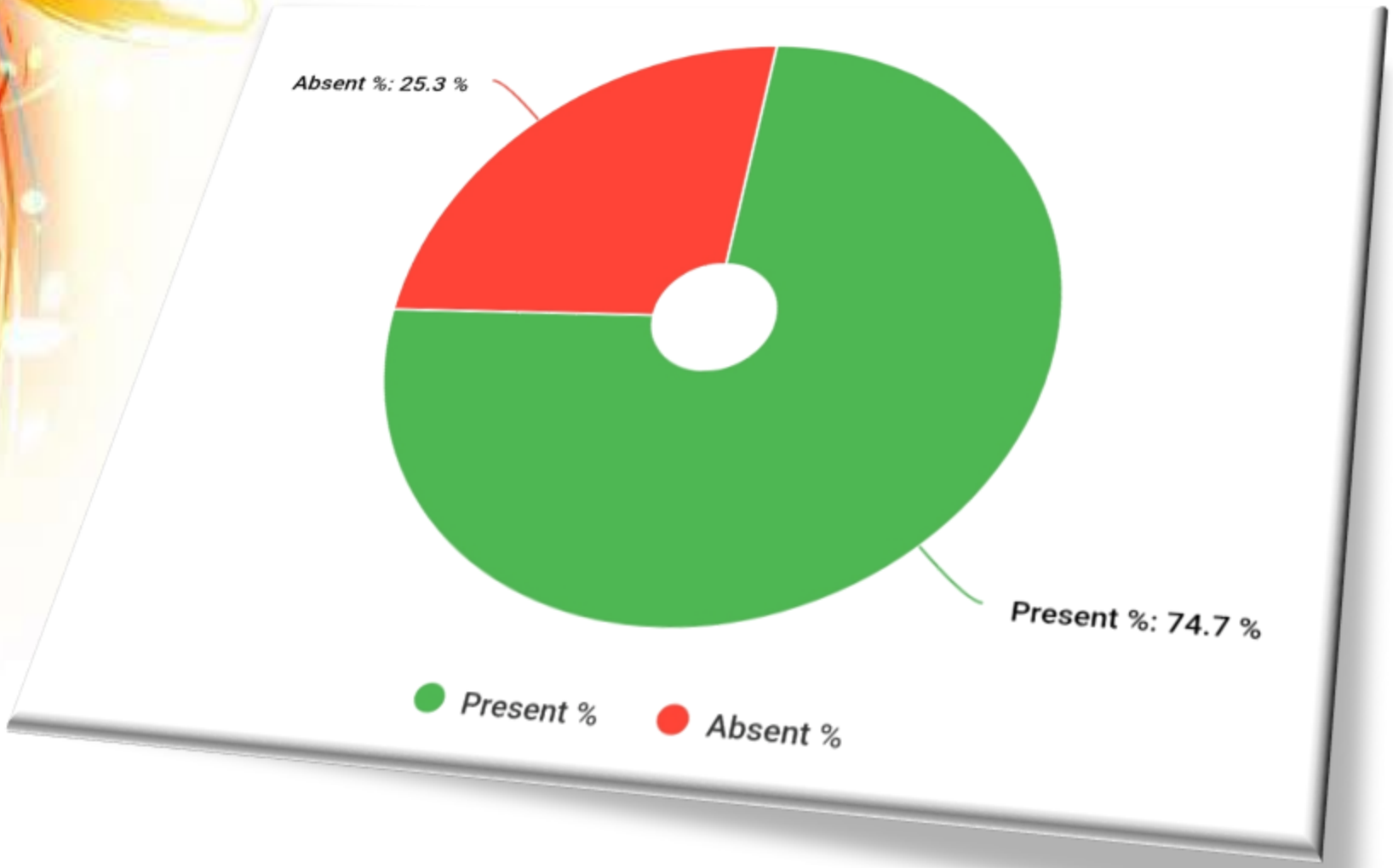

कक्षा-12 के परीक्षा परिणाम प्रतिशत में वृद्धि

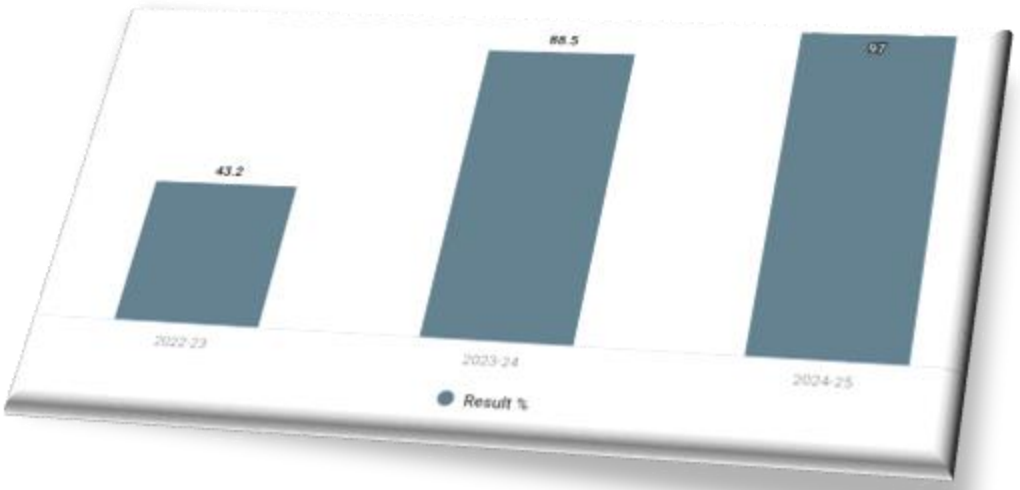

कक्षा-12 के उपस्थिति प्रतिशत में वृद्धि

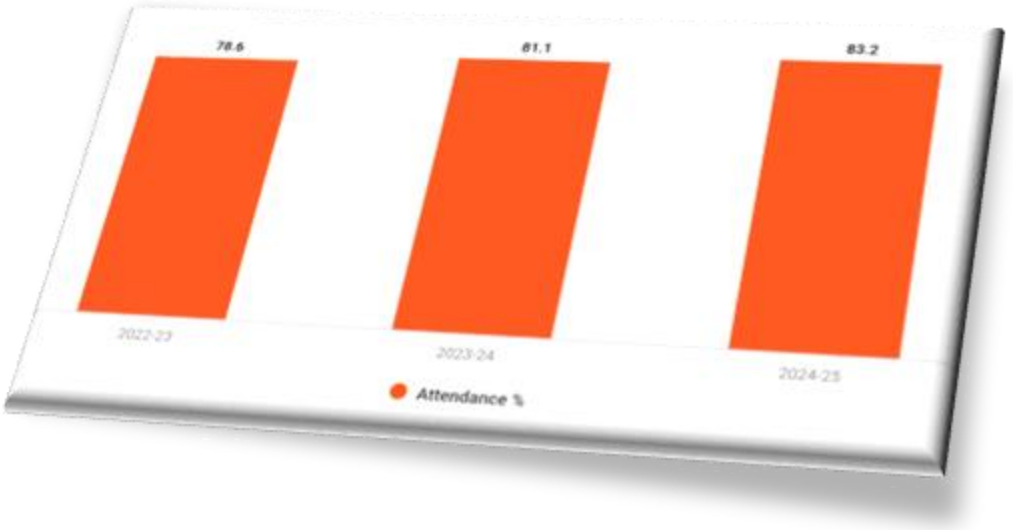

कक्षा-10 के परीक्षा परिणाम प्रतिशत में वृद्धि

कक्षा-10 के उपस्थिति प्रतिशत में वृद्धि

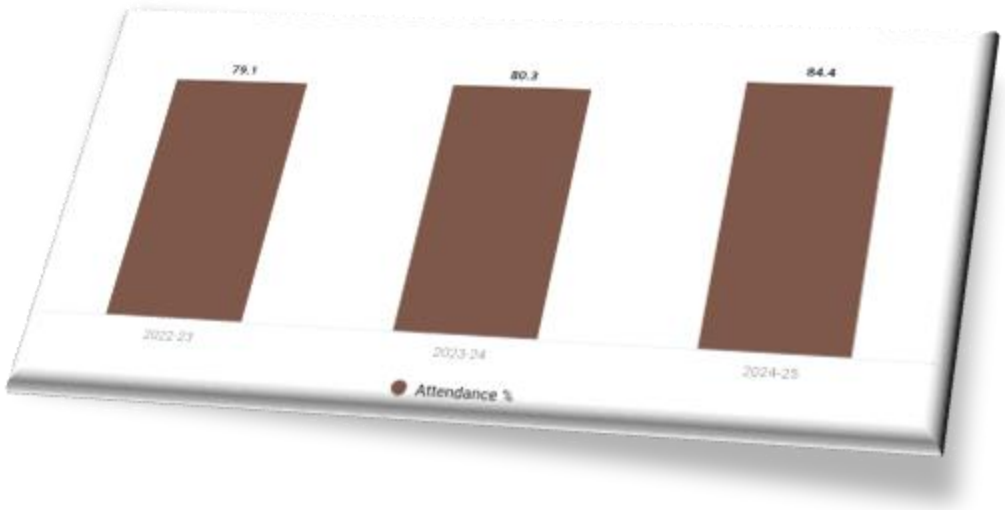

कक्षा-8 के परीक्षा परिणाम प्रतिशत में वृद्धि

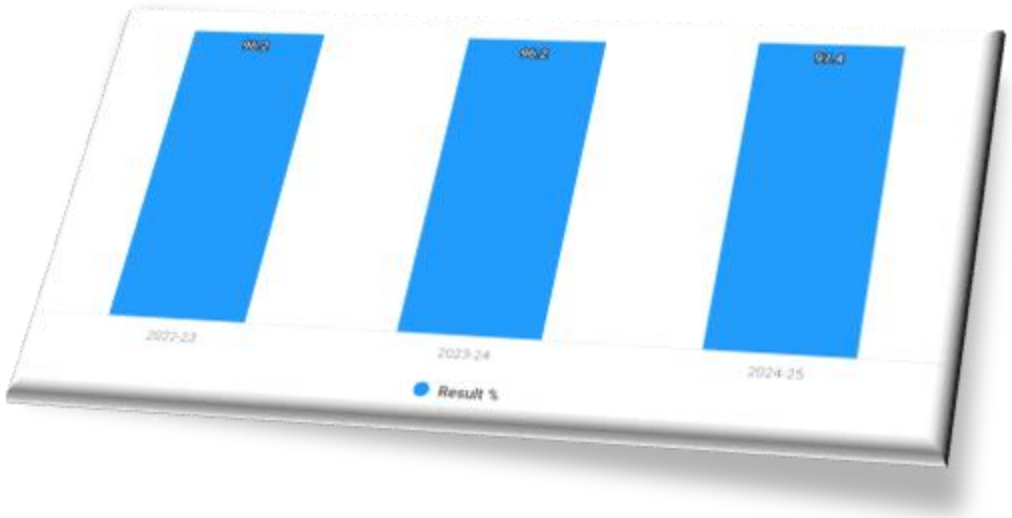

कक्षा-8 के उपस्थिति प्रतिशत में वृद्धि

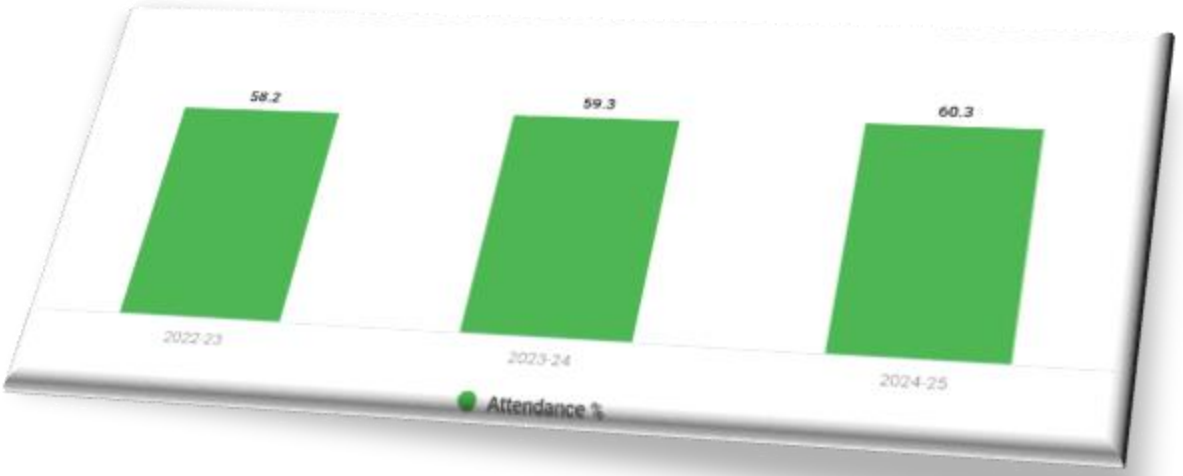

कक्षा-5 के परीक्षा परिणाम प्रतिशत में वृद्धि

कक्षा-5 के उपस्थिति प्रतिशत में वृद्धि